कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 2171595

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परी

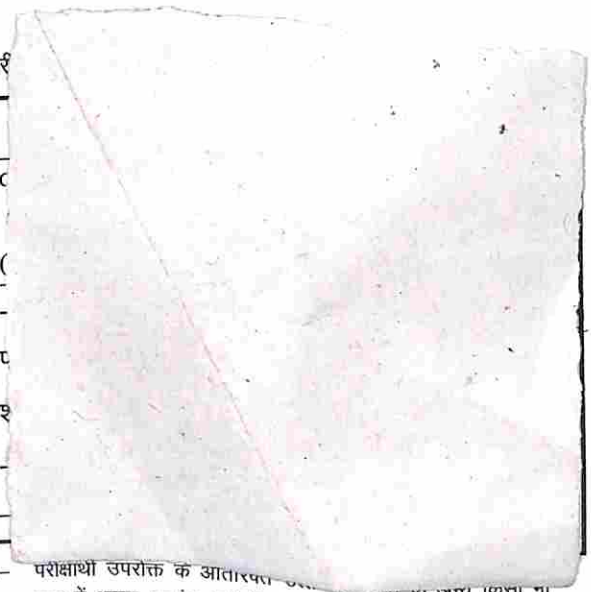

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त ... के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय संस्कृत

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 22-04-22

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	3½
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 60793

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है।168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्ति पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेग
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामां नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचि साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनि उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं हो चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परी समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ क उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	A1.(i)	(स) महानगरमध्ये
	(ii)	(ब) बुध्दिः
	(iii)	(अ) लसत्लतिकातः
	(iv)	(स) दिमकरः
	(v)	(ब) क्षेत्रे
	(vi)	(अ) सिंहस्य
(12)	(vii)	(द) आरक्षी
	(viii)	(स) अन्योन्यसहयोगेन
	(ix)	(द) क्रोधः
	(x)	(ब) दुर्बले सुते
	(xi)	(अ) सदा
	(xii)	(द) व्याघ्रम
	A2.	(अ) (i) - छात्रेण

BSER 166/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	(ii)	पुत्राय
	(ख) (i)	दरयेः
2	(ii)	गुरुम्
	(स) (i)	पठनीयम्
2	(ii)	बलपती
	A3. (अ) (i)	स्त्रीणां शिक्षायाः
	(ii)	स्त्रियो हि मातृशक्तेः प्रतीकभूताः भवन्ति।
	(iii)	स्त्रीणां कृते शिक्षायाः परमावश्यकता पतति।
	(iv)	'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवताः।
	(v)	कर्तृपदं → स्त्रीणां
	(vi)	विशेषणपदं → सुशिक्षिता
	(vii)	(ग) स्त्रियः इत्यस्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(viii)	अनादरः → समादरो
	(ix)	सद्वंशः → अच्छा वंश
12	(x)	करोति → ~~लट् लकार~~ कृ धातु - लट् लकार - प्रथम पुरुष - एकवचन
	(ख) (i)	व्यायामाभिरतस्य मांसं स्थिरीभवति।
	(ii)	'विचित्र साक्षी' पाठानुसारेण न्यायाधीशस्य नाम बंकिमचन्द्रः।
	A4. (i)	मनोहरः → मनः + हरः — उत्वविसर्गसन्धि
2	(ii)	वागीशः → वाक् + ईशः — जश्त्व व्यंजनसन्धि
	A5. (i)	नमः + ते → नमस्ते — सत्वविसर्गसन्धि
2	(ii)	हरिम् + वन्दे → हरिंवन्दे — अनुस्वार संधि
	A6. (i)	प्रतिदिनं → दिनं दिनं प्रति — अव्ययीभाव समास
2	(ii)	दशाननः → दश आननानि यस्य सः (रावण) — बहुव्रीहि समास

BSH-R-106/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	A7. (i)	महान् पुरुषः → महापुरुषः — कर्मधारय समास
2	(ii)	माता च पिता च → मातापितरौ / पितरौ — द्वन्द्व समास
	A8. (i)	निर्बलः → निर् + बलः
2	(ii)	आगमनम् → आ + गमनम्
	A9. (i)	अहम् अपि ग्रामम् गच्छामि।
2	(ii)	सः गायकः उच्चैः गीतं गायति।
	A10. (i)	150 → पञ्चाशत्यधिकशतम्
2	(ii)	1025 → पञ्चविंशत्यधिकसहस्त्रम्
	A11. (i)	केन समः बन्धुः नास्ति?
2	(ii)	समीपे का वहति?

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अन्वय –

A12. फलः छाया: समन्वितः सेवितव्यो: महान् वृक्षः। यदि दैवात् फलं नास्ति छाया केन निवार्यते।

2

A13. (i) सः नेत्रेण काणः अस्ति।

(ii) राजा भिक्षुकाय वस्त्राणि यच्छति।

2

A.14. (i) ~~शरीर~~ शरीरायासजननं कर्म व्यायामसंज्ञितम्।
तत्कृत्वा तु सुखं देहं विमृद्नीयात् समन्ततः॥

(ii) हृदिस्थानस्थितो वायुर्यदा वक्त्रं प्रपद्यते।
व्यायामं कुर्वतो जन्तोस्तद्बलार्धस्य लक्षणम्॥

2

A.15. हिन्दीभाषायां सारं → 'बुद्धिर्बलवती सदा' यह कथा शुकसप्तति नामक कथाग्रन्थ से लिया गया है। एक देउल नामक गाँव है। वहाँ पर राजसिंह नाम के राजा का पुत्र रहता था। एक बार उसकी पत्नी बुद्धिमती किसी आवश्यक कार्य से अपने दोनो पुत्रों के साथ पिता के घर की ओर जा रही थी। रास्ते में घने जंगल में उसने एक बाघ को देखा। बाघ को आता देखकर धृष्टता से उसने अपने पुत्रों को थप्पड़ प्रहार करती हुई बोली – "किसलिए एक-एक बाघ को खाने के लिए झगड़ा कर रहे हो? इस एक को ही तब तक बाँट कर खा लो। बाद में दूसरा देखेंगे।"

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ऐसा सुनकर बाघ भय से व्याकुल चित्त वाला होकर वहाँ से भाग जाता है। रास्ते में एक सियार ने बाघ पर हँसते हुए कहा - " आप कहा भय से भागे जा रहे हो।" तब बाघ ने सियार को बुद्धिमती के बारे में बताया। यह सुनकर सियार और बाघ पुनः वहाँ जाते है। सियार के साथ बाघ को आता देखकर बुद्धिमती सियार को झिड़कती हुई बोली - रे धूर्त! तुमने मुझे तीन बाघ लाकर दिए थे और विश्वास दिलाकर भी आज एक ही लाकर जा रहे हो। यह देखकर बाघ डरकर गले मे बँधे हुए सियार के साथ भाग जाता है। इस प्रकार बुद्धिमती फिर से बाघ के भय से मुक्त हो जाती है। इसलिए कहा गया है - हे कोमलाङ्गी! बुद्धि हमेशा सभी कार्यों में श्रेष्ठ होती है।

(2)

A.16. संस्कृतभाषायां भावार्थ → यः नित्यं व्यायामम् करोति, तम् विदग्धं, ~~विरोधमपि~~ विरुद्ध अपि भोजनं अविदग्धं च परिपच्यते। अतः वयं विना दोषं व्यायामम् करणीयम्।

(2)

A.17. प्रसंग → प्रस्तुत गंद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्य-पुस्तक शेमुषी के पाठ 8 विचित्रः साक्षी द्वारा लिया गया है। यह ~~पाठ~~ गंद्यांश ओमप्रकाश ठाकुर द्वारा रचित कथा से लिया गया है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इसमें एक सज्जन व्यक्ति अपने पुत्र की बीमारी का कारण जानकर उसे देखने के लिए जाता है। का वर्णन किया गया है।

अनुवाद → पैदल चलते हुए सांयकाल तक भी वह अपने गन्तव्य स्थान से दूर ही था। 'रात के अंधेरे में सुनसान निर्जन वन में पैदल यात्रा करना शुभ नही है', ऐसा विचार करके वह पास ही ~~के~~ में ~~गाँव मे~~ स्थित गाँव में रात्रिनिवास के लिए किसी गृहस्थी के पास जाता है। करुणायुक्त गृहस्थी उसे आश्रय दे देता है।

3

BSER-168/2021

A18. प्रसंग → प्रस्तुत पद्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्य-पुस्तक शेमुषी के पाठ 6 'सुभाषितानि' से लिया गया है। इसमें बताया गया है कि गुणवान व्यक्ति ही दूसरो के गुणों को जानता है, गुणहीन व्यक्ति दूसरो के गुणो को नही जानता है।

अनुवाद → गुणवान व्यक्ति ही ~~दूसरे के~~ गुणो को जानता है, गुणहीन व्यक्ति गुणों को नही जानता है। बलवान व्यक्ति ही बल को जानता है, निर्बल बल को नही जानता है। जिस प्रकार वसन्त ऋतु के गुण को कोयल ही जानती है, कौआ उसे नही जानता है। तथा शेर के बल को हाथी ही जानता है, चूहा उसे नही जानता है।

3

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

A19. प्रसंग → प्रस्तुत नाट्यांश हमारी संस्कृत की पाठ्य पुस्तक शेमुषी के पाठ 7 'सौहार्द प्रकृते शोभा' से लिया गया है। इसमें प्रकृति माता द्वारा सभी जीवों को एक-दूसरे पर आश्रित बताया गया है। इसमें मोर और कौए के बीच वार्तालाप चल रहा है।

अनुवाद → मोर - अरे बन्दर! चुप रहो! तुम कैसे वनराज पद के लिए योग्य हो? देखो देखो मेरे सिर पर राजमुकुट के समान शिखा को ~~कि~~ स्थापित करने वाले विधाता के द्वारा ही मैं पक्षिराज बनाया गया हूँ, अतः वन में रहने वालो मुझे वनराज पद के रूप में देखने के लिए तैयार हो जाओ। कोई भी विधाता के द्वारा इस निर्णय को बदल में सक्षम नही है।

(3)

कौआ - (व्यंग्य के साथ) अरे साँप को खाने वाले नृत्य के अतिरिक्त तुम्हारी क्या विशेषता है कि हम तुम्हे वनराज पद के लिए योग्य मानें।

A20. (i) एकस्मिन् वने एकः सिंहः वसति स्म।
(ii) एकदा सः जाले बद्धः।
(iii) सः सम्पूर्णं प्रयासम् अकरोत् परं बन्धात् न मुक्तः।
(iv) तदा तस्य स्वरं श्रुत्वा एकः मूषकः तत्र आगच्छत।

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	(v)	मूषकः परिश्रमेण जालम् अकृन्तत् ।
	(vi)	सिंहः जालात् मुक्तः भूत्वा मूषकं प्रशंसन् गतवान्

A21.

सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्रधानाचार्यमहोदयः,
राजकीय - उच्च - माध्यमिक - विद्यालय,
चन्द्रपुरम् ।

विषय → दिनद्वयस्य अवकाशार्थं प्रार्थना - पत्रम् ।

महोदयः,

सविनयम् निवेदनम् अस्ति यद् अहम् विगतदिवसात् रुग्णतापीडितो अस्मि । अस्मात् कारणात् अहं विद्यालयम् आगन्तुम् न शक्नोमि ।

अतः प्रार्थना अस्ति यत् 22-04-22 तः 23-04-22 दिनाङ्कपर्यन्तम् दिनद्वयस्य अवकाशं स्वीकृत्य माम् अनुगृहीष्यन्ति श्रीमन्तः ।

दिनांकः - 22-04-22

भवदीय आज्ञाकारी शिष्या:
रेवती
कक्षा - दशमी

A22. माता - व्योमकेश ! त्वं किं करोषि ?

व्योमकेश - अहं मम विद्यालयस्य गृहकार्यं करोमि ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

माता – पुत्र गृहकार्यानन्तरम् आपणं गत्वा ततः दुग्धं शाकफलानि च आनय।

व्योमकेशः – अहं सायंकाले पुस्तकं क्रेतुम् आपणं गमिष्यामि तदा दुग्धं शाकफलानि च आनेष्यामि।

(5)

माता – सायंकाले न, त्वं तु पूर्वमेव गत्वा आनय।

व्योमकेशः – शीघ्रं किमर्थम्?

माता – अद्य तव मातुलः आगमिष्यति, अतः भोजनं समयात् पूर्वमेव पक्ष्यामि।

व्योमकेशः – मातुलः आगमिष्यति चेत् अहम् इदानीम् एव गत्वा वस्तूनि क्रीत्वा आगच्छामि।

A23. (i) बालकः वेदमन्त्रम् पठति।

(ii) छात्राः कलमेन सह पत्रम् लिखति।

(3½)

(iii) मोहनः रामेण सह गच्छति।

(iv) विद्यालयः सर्वतः क्षेत्रम् अस्ति।

(v) रमेशः सिंहात् बिभेति।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		80 अस्सी
		3/5/22

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021